

ई कॉमर्स शिक्षा और मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग

डॉ. जी. एन. जगन

अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मलकाजगिरी गवर्नमेन्ट डिग्री कॉलेज, मलकाजगिरी, हैदराबाद, भारत

Corresponding author E-mail: nagjagan99@gmail.com

Received: 18 February, 2023 | Accepted: 24 March, 2023 | Published: 26 March, 2023

प्रस्तावना :

वर्तमान डिजिटल युग में तकनीकी प्रगति के साथ हिंदी भाषा का प्रभाव ई कॉमर्स, शिक्षा और मनोरंजन क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। भारत की अधिकतर जनसंख्या हिंदी भाषी है, इसलिए हिंदी भाषा डिजिटल माध्यमों में संवाद, शिक्षा और व्यावसायिक लेन-देन का अनिवार्य हिस्सा बन गई है। हिंदी न केवल सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने में सहायक है, बल्कि यह तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्र में भी उपयोगिता साबित कर रही है। इस आलेख में ई कॉमर्स, शिक्षा और मनोरंजन में हिंदी के महत्व तथा इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की विस्तार से चर्चा की गई है।

१. ई कॉमर्स में हिंदी का योगदान

ई कॉमर्स ने भारत के उपभोक्ता व्यवहार और खरीदारी के तरीके में क्रांति लाई है। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या २०२५ तक ९०० मिलियन से अधिक होने का अनुमान है, जिनमें से ९८% क्षेत्रीय भाषाओं, खासकर हिंदी, में कंटेंट पसंद करते हैं। इस प्रवृत्ति के कारण अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसे प्रमुख ई कॉमर्स प्लेटफॉर्मों ने हिंदी में इंटरफेस और उत्पाद विवरण उपलब्ध करवाए हैं।

हिंदी इंटरफेस उपभोक्ताओं को अधिकार-प्राप्त करती है एवं उनके लिए खरीदारी की प्रक्रिया को सरल बनाती है। इसके अलावा, वॉइस-कॉमर्स की तकनीक, जहां उपभोक्ता हिंदी में वॉयस कमांड के माध्यम से उत्पाद खोज और ऑर्डर कर सकते हैं, लोकप्रिय हो रही है। भाषा की बाधा समाप्त होने से उन ग्रामीण और भाषा सीमित उपयोगकर्ताओं को भी लाभ मिला है जो अंग्रेजी में सहज नहीं हैं।

हिंदी में विज्ञापन सामग्री का प्रभाव भी काफी प्रभावशाली है। अध्ययन बताते हैं कि हिंदी विज्ञापन ८८% अधिक प्रभावी होते हैं क्योंकि वे उपभोक्ताओं के भावनात्मक स्तर से जुड़ पाते हैं। इस प्रकार हिंदी ने भारत के डिजिटल बाजार में उपभोक्ता सहभागिता और बिक्री को बढ़ावा दिया है।

हिंदी भाषा में पेमेंट ऐप्स जैसे पेटीएम ने भी स्थानीय लोगों को डिजिटल लेन-देन की सुविधा प्रदान की है, जिससे डिजिटल आर्थिक क्रांति को मजबूत समर्थन मिला है। कुल मिलाकर, हिंदी ने ई कॉमर्स को एक सामाजिक-आर्थिक समावेशन के रूप में विकसित किया है, जो भारत की बहुभाषी सामाजिक संरचना में उपयुक्त है।^{१,२,३}

२. शिक्षा में हिंदी का महत्व

शिक्षा के क्षेत्र में हिंदी का उपयोग शिक्षार्थियों को मातृभाषा में सीखने का मौका प्रदान करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है, जिसके तहत हिंदी माध्यम की शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है। हिंदी में डिजिटल शिक्षा सामग्री का विकास तेजी से हो रहा है, जिससे शिक्षा की पहुँच दूर-दराज के क्षेत्र तक पहुँच रही है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे बायजूस, डुओलिंगो और अन्य ने हिंदी में शैक्षणिक कोर्सेज उपलब्ध कराकर बच्चों और युवाओं को भाषा और विषय दोनों में प्रवीणता प्राप्त करने का अवसर दिया है। हिंदी माध्यम शिक्षा अनुभव को सुलभ और प्रभावी बनाती है, जिससे छात्र अपनी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान के साथ शिक्षा प्राप्त करते हैं।

हिंदी माध्यम शिक्षा से छात्रों में आत्मविश्वास पैदा होता है और वे अपनी मातृभाषा में सोचने और समझने में सरलता महसूस करते हैं, जो सीखने की गुणवत्ता को बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त हिंदी माध्यम शिक्षा से जुड़े शिक्षकों के लिए भी कार्य के अवसर बढ़े हैं, जो शिक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं।

डिजिटल युग में हिंदी में शैक्षणिक वीडियो, ऑनलाइन कक्षाएं, और वेबिनार की उपस्थिति ने शिक्षा को लोकतंत्रीकृत किया है। इससे देश के गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी विश्वस्तरीय शिक्षा का लाभ उठा पा रहे हैं, जो शिक्षण में असमानता को कम करता है।^{४,२}

३. मनोरंजन में हिंदी की भूमिका

भारत में मनोरंजन उद्योग का बड़ा हिस्सा हिंदी भाषा में संचालित होता है, जो न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की लोकप्रियता को दर्शाता है। बॉलीवुड फिल्में, हिंदी वेब सीरीज, टेलीविजन धारावाहिक, रेडियो कार्यक्रम और डिजिटल कंटेंट जैसे यूट्यूब वीडियो हिंदी में भारी संख्या में देखे और सुने जाते हैं।

जटिल प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, डिज्नी+ हॉटस्टार पर हिंदी कंटेंट की मांग निरंतर बढ़ रही है। हिंदी सामग्री की वैश्विक पहुँच सबटाइटलिंग और डबिंग तकनीकों की सहायता से संभव हुई है, जिससे विदेशी दर्शक भी हिंदी सिनेमा और मनोरंजन का आनंद ले रहे हैं। हिंदी संगीत, गीत और कविताएँ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे हिंदी की सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो रही है।

सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा में मेम्स, शायरी, कविताएँ और शॉर्ट वीडियो समेत कई तरह के कंटेंट की लोकप्रियता बढ़ रही है, जो युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों के बीच संवाद और मनोरंजन का मुख्य माध्यम बन गया है। इसके साथ ही हिंदी भाषा ने मनोरंजन क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ाए हैं जैसे हिंदी कथा लेखन, अनुवाद, संवाद लेखन और प्रदर्शन कला।^{१,२}

४. तकनीकी विकास और हिंदी

डिजिटल भारत की पहल और स्मार्टफोन के व्यापक उपयोग ने हिंदी को तकनीकी क्षेत्र में मजबूती प्रदान की है। गूगल वॉयस टाइपिंग, हिंदी कीबोर्ड्स, अनुवाद ऐप्स जैसे तकनीकी उपकरण हिंदी उपयोगकर्ताओं के लिए संवाद और कार्य को सहज बना रहे हैं। ग्रामीण भारत में स्मार्टफोन की पहुँच से हिंदी में कंटेंट उपभोग का स्तर बढ़ा है। सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग ने हिंदी कंटेंट क्रिएशन को बढ़ावा दिया है। शैक्षिक, व्यावसायिक और मनोरंजन क्षेत्रों के लिए हिंदी में कंटेंट बनाना और उपभोक्ताओं तक पहुँचना आसान हो गया है। इस डिजिटल क्रांति ने हिंदी को भाषा से बढ़कर एक डिजिटल पहचान बना दिया है।

सरकारी नीतियाँ भी हिंदी को प्रोत्साहित कर रही हैं, जिससे विभिन्न सरकारी पोर्टल, बैंकिंग और अन्य सेवाएँ हिंदी में उपलब्ध हो गई हैं। यह कदम हिंदी को तकनीकी युग में सशक्त और समावेशी भाषा बनाता है।^{१,२,४}

५. सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

हिंदी का व्यापक उपयोग आर्थिक समावेशन और सामाजिक एकता को बल देता है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हिंदी माध्यमों ने जन संवाद को बढ़ावा दिया है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल सहभागिता बढ़ी है।

ई-कॉमर्स में हिंदी उपयोग ने खरीदारी के नए अवसर बनाए हैं, जिससे स्थानीय उद्योग और छोटे व्यवसायों को भी डिजिटल बाजार में प्रवेश मिला है। शिक्षा में हिंदी ने समान शिक्षा अवसर प्रदान कर राष्ट्रीय विकास में योगदान दिया है। मनोरंजन में हिंदी ने सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देकर समाज में सहिष्णुता और एकता को मजबूत किया है।

भाषा की यह सशक्त उपस्थिति भारत की बहुभाषी सामाजिक जटिलता में सहयोगी तत्व के रूप में उभरी है, जो तकनीक और संस्कृति के मध्य एक सेतु है।^{१,२,३}

निष्कर्ष:

ई कॉमर्स, शिक्षा और मनोरंजन क्षेत्रों में हिंदी भाषा का प्रयोग भारत की भाषाई विविधता के साथ-साथ डिजिटल समावेशन का प्रतीक है। यह भाषा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, शिक्षार्थियों को मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और दर्शकों को समृद्ध मनोरंजन सामग्री प्रदान कर रही है। हिंदी ने तकनीक के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान बनाई है, जो भविष्य में और भी प्रगाढ़ होगी।

हिंदी भाषा के सतत विकास, तकनीकी नवाचार और सरकारी प्रोत्साहन से यह निश्चित है कि हिंदी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक डिजिटल मंच पर भी अपनी जगह मजबूत करेगी।

संदर्भ सूची:

१. मिश्र, रामचंद्र. (2018). हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
२. सिंह, रविंद्रनाथ. (2019). हिंदी और कंप्यूटर. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।
३. शर्मा, राजेंद्र. (2020). इंटरनेट और हिंदी भाषा. नई दिल्ली: किताबघर प्रकाशन।
४. त्रिपाठी, कृष्णदेव. (2017). हिंदी भाषा और संचार माध्यम. नई दिल्ली: साहित्य सहकार।
५. पांडेय, कैलाशनाथ. (2019). हिंदी भाषा का आधुनिक स्वरूप. नई दिल्ली: लोकभारती प्रकाशन।
६. वर्मा, प्रभाकर. (2021). हिंदी और जनसंचार माध्यम. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन।
७. दुबे, श्यामसुंदर. (2018). हिंदी भाषा और नई मीडिया. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
८. सिंह, अजय कुमार. (2022). डिजिटल युग में हिंदी भाषा और साहित्य. नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।